नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–I

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ऋग्वेदीय दार्शनिक भावना का निरूपण कीजिए ।
2. मंत्र के अर्थ बताएँ । वेद मंत्रों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए ।
3. तैत्तिरीय संहिता–मैत्रायणी संहिता का परिचय दीजिए ।
4. स्तोत और विष्टुति का भेद स्पष्ट करते हुये सामगान के भेदों पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।
5. ब्राह्मण साहित्य का परिचय देते हुये उनके महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए ।
6. सामवेदीय ब्राह्मणों का संक्षेप में परिचय दीजिए ।
7. आरण्यक–साहित्य का सामान्य परिचय दीजिए ।
8. कृष्ण यजुर्वेद से सम्बद्ध उपनिषदों पर प्रकाश डालिए ।
9. वेदाङ्ग साहित्य का परिचय दीजिए ।
10. रामायण यात्रा–भ्रमण की कहानी पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Sanskrit, Part–I

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
30.03.2015	Paper–I	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
01.04.2015	Paper–II	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
03.04.2015	Paper–III	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
06.04.2015	Paper–IV	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
07.04.2015	Paper–V	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
09.04.2015	Paper–VI	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
11.04.2015	Paper–VII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna
13.04.2015	Paper–VIII	3.30 PM to 6.30 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–II

(लौकिक संस्कृत साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. ''उदिते नैषधे काव्ये क्व माघः क्व च भारवि''–इस उक्ति को विवेचित कीजिए ।
2. भक्तिमूलक गीतिकाव्य में स्तोत्र–साहित्य का मूल्यांकन कीजिए ।
3. गीतिकाव्य का स्वरूप निर्धारित करते हुये इसकी विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।
4. गद्य काव्य की उत्पत्ति तथा विकास पर प्रकाश डालिए ।
5. कथा एवं आख्यायिका के साम्य–वैषम्य पर विचार करते हुये कादम्बरी की विधा निरूपित कीजिए ।
6. संस्कृत लोक–कथा–साहित्य में बौद्ध धर्मावलम्बियों के योगदान की समीक्षा कीजिए ।
7. नाटक को परिभाषित करते हुये भारतीय नाटक की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
8. विशाखदत्त का परिचय देते हुये उनके नाटक 'मुद्रा राक्षस' की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए ।
9. आधुनिक संस्कृत साहित्य में नवीन परम्परा के नवोदित कवियों तथा उनके काव्यों का विवेचन कीजिए ।
10. आधुनिक संस्कृत साहित्य में पत्र–पत्रिकाओं का महत्त्व निरूपित कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–III

(भाषा विज्ञान एवं लिपि विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. 'भाषा वाचिक प्रतीकों की संघटना है ।' इसकी सविस्तार व्याख्या कीजिए ।
2. आकृतिमूलक वर्गीकरण का क्या अर्थ है ? इसके भेदों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।
3. भारोपीय भाषाओं के केन्तुम्–सतम् वर्गों में विभाजन का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
4. ग्रिमनियम के संदर्भ में फेर्नर और ग्रासमान के संशोधनों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
5. अवेस्ता और वैदिक संस्कृत के ध्वनि साम्य एवं वैषम्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
6. वागवयवों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
7. अर्थ–परिवर्तन की दिशाओं का विवेचन कीजिए ।
8. प्रयत्न का क्या अर्थ है ? ध्वनियों के विवेचन में आभ्यन्तर प्रयत्नों का विवेचन कीजिए ।
9. लिपि के विकास–क्रम की अवस्थाओं का विवेचन कीजिए ।
10. वाक्य के अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए तथा संस्कृत के वाक्यभेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–IV

(भारतीय दर्शन एवं संस्कृत)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

प्रत्येक खण्ड से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुये, कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड 'क' (भारतीय दर्शन)

1. बौद्ध–दर्शन के आष्टांगिक मार्ग का विस्तार से परिचय दीजिए ।
2. योग का अर्थ स्पष्ट करते हुये योग के अंगों का संक्षिप्त निरूपण कीजिए ।
3. वेदान्त के अनुसार ब्रह्म का विवेचन कीजिए ।
4. जैन दर्शन के अनुसार अनेकान्तवाद का निरूपण कीजिए ।
5. चार्वाकों ने अनुमान और शब्द–प्रमाणों का खण्डन किस प्रकार किया है ? स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड 'ख' (भारतीय संस्कृति)

6. ऋग्वैदिक समाज का परिचय दीजिए ।
7. पुरुषार्थ से क्या समझते हैं ? किन्हीं दो पुरुषार्थों का परिचय दीजिए ।
8. वर्ण और जाति का अन्तर समझाते हुये जाति–प्रथा का परिचय दीजिए ।
9. वानप्रस्थ और सन्यास आश्रमों का वर्णन कीजिए ।
10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए :–
    (क) ब्रह्मचर्य आश्रम
    (ख) उपनयन संस्कार
    (ग) विवाह संस्कार
    (घ) वर्ण–व्यवस्था और दान

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–V

(संस्कृतेतर भारतीय भाषाएँ)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. पालि के वंश साहित्य का विवेचन कीजिए ।
2. अशोकी शिलालेख स्तम्भ लेख का सामाजिक सांस्कृतिक दृष्टि से मूल्यांकन कीजिए ।
3. जैन कवियों द्वारा रचित किन्हीं दो महाकाव्यों का विवेचन कीजिए ।
4. संस्कृत नाटकों में प्राकृतों के प्रयोग का विवेचन कीजिए ।
5. बौद्ध सिद्ध कवियों की कृतियों का परिचय दीजिए ।
6. हिन्दी साहित्य की निर्गुण भक्तिधारा का परिचय दीजिए ।
7. हिन्दी साहित्य के रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए ।
8. कृत्तिवास रामायण का परिचय दीजिए ।
9. मराठी साहित्य के इतिहास के काल–विभाजन की समीक्षा कीजिए ।
10. तेलुगु के श्रीनाथ एवं पोतना का कवि परिचय दीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VI

(संस्कृत व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. सूत्र को परिभाषित करते हुये इसके भेदों का वर्णन कीजिए ।
2. प्रयत्न किसे कहते हैं ? बाह्य प्रयत्नों के प्रकारों का विवेचन कीजिए ।
3. विसर्ग संधि किसे कहते हैं ? इनके किन्हीं ***चार*** स्वरूपों के सूत्र निर्देशपूर्वक सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।
4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) निपात एकाजनाङ् (ख) आद्गुणः
   (ग) एङि पररूपम् (घ) उपदेशेऽजनुनासिक इत्
   (ङ) प्लुतप्रगृह्या अचि नित्यम् (च) शश्छोऽटि
   (छ) झलां जशोऽन्ते (ज) मोऽनुस्वारः
5. सूत्र निर्देश पूर्वक किन्हीं ***चार*** की रूपसिद्धि कीजिए :–
   (क) नायकः (ख) गङ्गे अमू
   (ग) विष्णूदयः (घ) सुद्ध्युपास्यः
   (ङ) उत्थानम् (च) वाग्धरिः
   (छ) विद्वाँल्लिखति (ज) लक्ष्मीच्छाया
6. कारक किसे कहते हैं ? कारक भेदों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।
7. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं ***चार*** सूत्रों के अर्थ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए :–
   (क) इत्थम्भूतलक्षणे (ख) कर्तृकरणयोस्तृतीया
   (ग) कर्मणि द्वितीया (घ) सम्बोधने च
   (ङ) क्रियया यमभिप्रैति सोऽपि सम्प्रदानम् (च) ध्रुवमपायेऽपादानम्
   (छ) कर्तृकर्मणोः कृति (ज) सप्तम्यधिकरणे च
8. तत्पुरुष समास किसे कहते हैं ? इसके विभिन्न भेदों को उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए ।
9. निम्नलिखित में किन्हीं ***चार*** पदों की समासविग्रह पूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :–
   (क) प्राचार्यः (ख) भूतपूर्वः
   (ग) यथाशक्ति (घ) कण्ठेकालः
   (ङ) संज्ञापरिभाषम् (च) चित्रगुः
   (छ) पितरौ (ज) मयूरीकुक्कुटौ
10. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या करें :–
    (क) द्वन्द्वश्च प्राणितूर्य–सेनाङ्गानाम् (ख) चार्थे द्वन्द्वः
    (ग) अनेकमन्यपदार्थे (घ) विशेषणं विशेष्येण बहुलम्
    (ङ) अव्ययीभावे चाकाले (च) सह सुधा
    (छ) ऊर्यादि–च्वि–डाचश्च (ज) तद्धितार्थोत्तरपदसमाहारे च

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–I, पत्र–VII

(भारतीय काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. आचार्य दण्डी और भामह के काव्य सम्बन्धी विचार का तुलनात्मक विवेचन कीजिए ।
2. 'वाक्यं रसात्मकं काव्यम्', इस काव्य लक्षण को पल्लवित करते हुये इसकी सम्यक् समीक्षा कीजिए ।
3. दृश्य काव्य के भेदोपभेदों का परिचय दीजिए ।
4. गद्य काव्य के कितने भेद हैं ? प्रमुख भेदों का परिचय दीजिए ।
5. चित्र–काव्य के सम्बन्ध में आचार्यों के विचारों का मूल्यांकन कीजिए ।
6. शाब्दी व्यंजना को परिभाषित करते हुये उसके भेदों का उल्लेख कीजिए ।
7. अर्थ–दोषों का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
8. रससूत्र की विभिन्न व्याख्याओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
9. रसानुभूति के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए ।
10. निम्नलिखित अलंकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए :–
    यमक, उत्प्रेक्षा, रूपक, अनुप्रास

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय
एम०ए० (संस्कृत)
पार्ट–I, पत्र–VIII (संस्कृत रचना)
वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे | पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं०–1 अनिवार्य है । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किसी एक विषय पर संस्कृत में कम–से–कम 300 शब्दों में निबन्ध लिखिए :–
   (क) संस्कृत साहित्यस्य प्रासंगिकता (ख) महिला सशक्तिकरण (ग) पर्यावरण–प्रदूषण–समस्या

2. निम्नलिखित वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :–
   (क) वह जोर से हँसता है । (ख) राजा चोर को दण्ड देता है ।
   (ग) परिश्रम के बिना विद्या नहीं होती । (घ) जटा से तपस्वी प्रतीत होता है ।
   (ङ) संस्कृत भाषा पढ़नी चाहिए । (च) राम ने रावण को बाण से मारा ।
   (छ) यह पुस्तक पढ़ने योग्य है । (ज) तुम क्या करना चाहते हो ?

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए :–
   अभितः, गृहात्, निकषा, बिभेति, अलं, श्वः, नूनम्, अपि

4. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

   भारतवर्षस्य उत्तरदिशायां हिमालयो नाम पर्वतोऽस्ति । अस्य पर्वतस्य शिखराणि अत्युन्नतानि सन्ति । एतानि शिखराणि सदैव हिमेन आच्छादितानि सन्ति । अतएव अस्य पर्वतस्य अभिधानं हिमस्य आलयः हिमालय इति प्रसिद्धोऽस्ति हिमालयात् गंगा–यमुना–शतद्रु–विपाशा–द्वारावती–वितस्ता–प्रभृतयः अनेकाः नद्यः प्रादुर्भवन्ति । एतासां नदीनां जलं भारतवर्षस्य विशालं भूभागं सिञ्चति । अतएव अस्मिन् देशे प्रभूतानि विविधानि अन्नानि फलानि उद्भवन्ति । अस्मिन् पर्वते विविधाः ओषधयः वृक्षाः धावतः विविधानि च रत्नानि उपलभ्यन्ते ।

   ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलजनाः हिमालयस्य पर्वतीयस्थलेषु गच्छन्ति सुखं च अनुभवन्ति । अस्मिन् एव पर्वते मानसरोवर–अमरनाथ–बद्रीनाथ–केदारनाथ–हरिद्वारप्रभृतीनि अनेकानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि अनेके च देवालयः सन्ति । एतस्मिन् पर्वते स्थितासु अनेकासु गुहासु साधकाः तपश्चरन्ति । अत्र देवीनां मन्दिराणि अपि सन्ति । एतस्मात् कारणात् अयं पर्वतो देवभूमिरपि कथ्यते ।

   (क) हिमालयः कुत्र राजते ? (ख) हिमालयस्य शिखराणि कीदृशानि सन्ति ?
   (ग) हिमालयात् काः काः नद्यः प्रादुर्भवन्ति ? (घ) ग्रीष्मकाले तापेन व्याकुलाः जनाः कुत्र गत्वा सुखम् अनुभवन्ति ?
   (ङ) अस्मिन् पर्वते किं किं प्राप्यते ? (च) हिमालये कानि दर्शनीयानि तीर्थस्थानानि सन्ति ?
   (छ) हिमालयः देवभूमिः कथं कथ्यते ? (ज) अनुच्छेदस्य नाम देयम् ।

5. गणतंत्र दिवस का वर्णन करते हुये अपने मित्र को संस्कृत में एक पत्र लिखिए ।

6. अपने प्राचार्य को नामांकन के लिए संस्कृत में एक आवेदन–पत्र लिखिए ।

7. उचित शीर्षक देते हुये निम्नलिखित गद्यांश का संक्षेपण कीजिए :–

   दुःखसुखचक्रमारूढः अयं संसारः । शरीरिणं कदाचिद् दुःखम् अनुबध्नाति, कदाचित् सुखम् । जगतीह विधात्रा मृत्युपर्यन्तं केवलं दुःखं सोढुं नादिष्टः, सुखमपि जीवने लभ्यते । दुःखसुखसहितं सर्वविश्वजातम् । यदि जीवं दुःखमनुसरति तदा सुखमपि तं वृणुते । क्षणे–क्षणे विश्वचत्वरे या घटना भवति, सा अवश्यमेव नूतनत्वमलौकिकत्वं च शंसति । चिराय न कस्यापि वस्तुनो विद्यमानता । योऽद्य रुक्मभूषितं शयनमधिशेते तं प्राप्तसम्पदालोकं लोको नमस्करोति । स एव काले कालेनाक्रान्तो भूत्वा चेखिद्यते, परैः वितीर्णाम् वृत्तिं भुङ्क्ते वा । योऽद्य नानाकष्टापन्नो विगतविभवः अधिगतपराभवश्च वर्तते, स एव आनुकूल्यं प्राप्ते कष्टोदधिं तीर्त्वा धनं कीर्तिं च प्राप्नोति ।

8. निम्नलिखित का संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद कीजिए :–

   एकः स्थूलकायः कुक्कुरः रोटिकाखण्डं मुखे धृत्वा कुत्रचिद् गच्छति स्म । मार्गे नद्यां काष्ठस्य सेतुरासीत् । कुक्कुरः सेतुमध्ये आगत्य जले स्व प्रतिबिम्बं दृष्टवान् । प्रतिबिम्बं दृष्ट्वा मनसि व्यचिन्तयत्–"अयं कश्चित् दुर्बलः कुक्कुरः अस्ति । अहं बलात् तस्य रोटिकां हरामि ।" एवं विचार्य यदैव तस्य रोटिकां हर्तुं मुखं व्याददाति तस्य मुखात् रोटिकाखण्डं जले पतितम् ।

9. रिक्त स्थानों की पूर्ति सामने दिए गए पदों के विकल्प से चयन कर कीजिए :–
   (i) अहं ..... हरिं भजामि । (मुक्तये, मुक्तिम्) (ii) ..... प्रति दयां कुरु । (दीनस्य, दीनान्)
   (iii) मह्यं चत्वारि ..... देहि । (फलम्, फलानि) (iv) रजकः ..... गर्दभं ताडयति । (लगुडेन, लगुडात्)
   (v) ..... शतं दण्डयति । (गर्गान्, गर्गाः) (vi) ..... हीनाः पशुभिः समानाः । (धर्मण, धर्मस्य)
   (vii) नेतारः ..... स्पृहयन्ति । (पदस्य, पदाय) (viii) ऋषिः मोदकं.....जलं पिबति । (खादित्वा, खादनम्)
   (ix) किं सः ..... शक्नोति ? (गातुम्, गेयम्) (x) पिता मोहनं दुग्धं ..... । (पिबति, पाययति)
   (xi) ..... बालकः रुग्णः जातः । (भोजं–भोजं, भुक्त्वा) (xii) बालकः ..... पत्रं आनयति । (गुरोः, गुरूणा)
   (xiii) त्वमा गृहं ..... । (गन्तत्यानि, गन्तव्यम्) (xiv) वयम् चलचित्रं.....गच्छामः । (द्रष्टुम्, दर्शनीया)
   (xv) रामायणे ..... काण्डाः वर्तन्ते । (सप्त, सप्ताः) (xvi) ..... मम पुत्री अस्ति । (इयं, इदं)

10. (क) निम्नलिखित पदो के पद–विग्रह लिखिए :–
    निर्भयं, पीताम्बरः, चित्रणुः, दण्डादण्डि, चन्द्रमुखी, गजाननः, भातरौ, दम्पती
    (ख) अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द लिखिए :–
    (i) आत्मनः पुत्रम् इच्छति । (ii) यशः एव धनं यस्य सः । (iii) प्रियं दर्शनं यस्याः सा ।
    (iv) सज्जनः इव आचरति । (v) तपः चरति । (vi) प्रश्नं करोति ।
    (vii) सुखम् अनुभवति । (viii) पठितुम् इच्छति ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–IX

(वेद तथा उपनिषद्)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. वैदिक आर्यों के जीवन में अग्नि के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।
2. वैदिक देवता के रूप में सूर्य का परिचय दीजिए।
3. अधोलिखित मंत्रों की संस्कृत में व्याख्या कीजिए :–
   (क) अद्या देवा उदिता सूर्यस्य निरंहसः पिपृता निरवद्यात् ।
   तन्नो मित्रो वरूणो मामहन्तामदितिः सिन्धुः पृथिवी उत द्यौः ।।
   (ख) यस्या श्रवासः प्रदिशि यस्य गावो यस्य ग्रामायस्य विश्वे रथासः ।
   यः सूर्य य उषस जजान यो अपां नेता स जनास इन्द्रः ।।
4. "उषा" शब्द का निर्वचन यास्क के अनुसार लिखिए।
5. शिव–संकल्प–सूक्त का सारांश लिखिए।
6. "सांमनस्यम्" का सार लिखिए।
7. शान्तिपाठ से क्या समझते हैं? इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डालिए।
8. पिण्ड तत्त्व और ब्रह्माण्ड तत्त्व क्या है? दोनों के सम्बन्ध पर प्रकाश डालिए।
9. "याज्ञवल्क्य–मैत्रेयी–संवाद" को अपने शब्दों में लिखिए।
10. किन्हीं दो मंत्रों के भावार्थ लिखिए :–
    (क) सा होवाच मैत्रेयी येनाहं नामृतास्यां किमहं तेन कुर्यां। यदेव भगवान्नेव तदेव मे ब्रूहीति।
    (ख) स यथा दुन्दुभेर्हन्यमानस्य न बाह्यान् शब्दान् शक्नुयाद ग्रहणाय दुन्दुभेस्तु ग्रहणेन। दुन्दुभ्याध्मातस्य वा शब्दो गृहीतः।
    (ग) स यथा शङ्खस्य ध्मायमानस्य न बाह्मान् शब्दान शक्मुयाद ग्रहणाय। शंखस्तु तु ग्रहणेन शंखध्मातस्य वा शब्दोगृहीतः।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2015

M.A. Sanskrit, Part–II

Date	Papers	Time	Examination Centre
05.06.2015	Paper-IX	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
09.06.2015	Paper-X	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
11.06.2015	Paper-XI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
13.06.2015	Paper-XII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
15.06.2015	Paper-XIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
17.06.2015	Paper-XIV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
19.06.2015	Paper-XV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
23.06.2015	Paper-XVI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–X

(प्राचीन संस्कृत पद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. उपजीव्य काव्य का परिचय देते हुये उपजीव्य काव्यों का परिचय दीजिए ।
2. वाल्मीकि कृत रामायण के किष्किन्धाकाण्ड की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।
3. वाल्मीकि रामायण का संक्षिप्त परिचय दीजिए ।
4. गीता के ज्ञानयोग की विवेचना कीजिए ।
5. स्थितप्रज्ञ के लक्षण लिखिए ।
6. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि तथा शरीराणि विहाय जीर्णानि अन्यानि संयाति नवानि देही ।
   (ख) कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन ।
   मा कर्मफल हेतुर्भ मा ते संगोस्वकर्मणि ।।
7. गीता के द्वादश अध्याय के आधार पर साकार ब्रह्म के लक्षण लिखिए ।
8. महाभारत की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
9. नीतिकाव्यों का संक्षिप्त परिचय देते हुये उनके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
10. विदुरनीति के दूसरे अध्याय का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XI

(मध्यकालीन एवं आधुनिक संस्कृत काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. किन्हीं दो पद्यों की व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :–

   (क) तामङ्गनां प्रेक्ष्य च विप्रलब्धा निःश्वस्य भूयः शरणं प्रपेदे ।
   विवर्ण–वक्ता न रराज चाशु विवर्ण–चन्द्रेव हिमागमे द्यौः ।।

   (ख) मा स्वामिनं स्वामिनी दोषतो गाः प्रियं प्रियार्हं प्रियकारिणं तम् ।
   न स त्वदन्यां प्रमदाम् अवैति स्व–चक्रवाक्या इव चक्रवाकः ।।

   (ग) निसर्गदुर्बोधमबोधविक्लवाः क्व भूपतीनां चरितं क्व जन्तवः ।
   तवानुभावोऽयमवेदि यन्मया निगूढतत्वं नयवर्त्म विद्विषाम् ।।

   (घ) तेजसोऽहं तनुजो दधे चोष्णताम्
   अन्तरात्मा मदीयः सदोष्मावृत्तः ।
   क्वापि शान्तिं लभे नैव नो निर्वृतिं
   प्रागृहीतो यथा प्रेतभूतैरहम् ।।

2. निम्न पदों का अनुवाद हिन्दी में कीजिए :–

   (क) स किंसखा साधु न शास्ति योऽधिपं हितान्न संश्रृणुते स किंप्रभुः ।
   सदानुकूलेषु हि कुर्वते रतिं नृपेष्वमात्येषु च सर्वसम्पदः ।।

   (ख) तेषां महार्हासन–संस्थितानाम् उदारनेपथ्यभृतां स मध्ये ।
   रराज धाम्ना रघुसूनुरेव कल्पद्रुमाणामिव पारिजातः ।।

3. संस्कृत–काव्य–रचना के उद्‌भव का विवेचन कीजिए ।

4. भामह और विश्वनाथ के द्वारा प्रतिपादित काव्य–लक्षणों की तुलना कीजिए ।

5. अश्वघोष के व्यक्तित्व और कृतित्व की विवेचना कीजिए ।

6. रघुवंश के पठित अंश के आधार पर कालिदास के काव्य–सौष्ठव का विवेचन कीजिए ।

7. कवि के रूप में रामकरण शर्मा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए ।

8. 'किरातार्जुनीयम्' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।

9. कालिदास के काल का निर्धारण कीजिए ।

10. 'संस्कृत के अलंकृत काव्य के उपजीव्य रामायण–महाभारत हैं'–विवेचना कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XII

(गद्य काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. संस्कृत साहित्य में वाणभट्ट का क्या स्थान है ? स्पष्ट कीजिए ।

2. निम्नलिखित संदर्भों में किन्हीं दो की व्याख्या करें :–
   (क) अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रः दर्पदातृज्वरोएमा।
   (ख) अनुज्झितध्वलतापि सरागैव भवित यूनां दृष्टिः ।
   (ग) अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतरजोभ्रान्तिदूरम् आत्मेच्छया यौवनसमये पुरूषं प्रकृतिः।

3. निम्नलिखित गद्याशों में से किन्हीं दो का अनुवाद हिन्दी में करें :–
   (क) एवं समतिक्रामत्सु केषुचित् दिवसेषु राजा चन्द्रापीडस्य यौवराज्याभिषेक चिकीर्षुः प्रतीहारानुपकरण सम्भारसंग्रहार्थमादिदेश तात ! चन्द्रापीड ! विदितवेदितव्यस्य अजीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युपदेष्टव्यमस्ति। केवलश्च्च निसर्गत एव अभानुभेद्यमरत्नालोकच्छेद्यमप्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम् ।
   (ख) सततमूलमन्त्रशम्यः विषमो विषयविषास्वादमोहः । नित्यमस्नानशौचबाध्यः बलवान् रागमलावलेपः । अजस्रमक्षपावसानप्रबोधा घोरा च राज्यसुखसन्निपातनिन्द्रा भवति, इत्यतः विस्तरेणाभिधीयसे ।
   (ग) इन्द्रियहरिणहारिणी च सततमतिदुरन्तेयमुपयोगमृगतृष्णिका नवयौवनकर्षायतात्मनश्च सलिलानीव तान्येव विषयस्वरूपाण्यास्वाद्यमानानि मधुरतराण्यापतन्ति मनसः ।

4. बाणभट्ट की गद्यशैली का सोदाहरण निरूपण करें ।

5. जातकमाला की विशिष्टताओं का वर्णन करें ।

6. व्याघ्रीजातक के कथानक को लिखकर इसके संदेश का निरूपण करें ।

7. निम्नलिखित सन्दर्भों का अनुवाद करें –
   (क) स्वसौख्यसङ्गेन परस्य दुःखमुपेक्ष्यते शक्तिपरिक्षयाद् वा । न चान्यदुःखे सति मेऽस्ति सौख्यं सत्यां च शक्तौ किमुपेक्षकः स्यान् ।।
   (ख) अथ सा व्याघ्री तेन बोधिसत्त्वस्य शरीर–निपातशब्देन समुत्थापित कौतूहलामर्षा विरम्य स्वतनयवैशसोद्यमात् ततो नयने विचिक्षेप दृष्ट्वैव च बोधिसत्त्वशरीरमुद्गतप्राणं सहसाभिसृत्य भक्षयितुमुपचक्रमे ।

8. मैत्रीबल जातक के आधार पर राजा मैत्रबल की विशेषताओं का वर्णन करें ।

9. शिवराजविजय की ऐतिहासकता का विवेचन करें ।

10. "रयीशः" के पठित अंश का सार अपनी भाषा में संक्षेप में लिखें ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(संस्कृत रूपकम)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. अर्थप्रकृति और अवस्थापंचक से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए ।
2. रूपक के उद्‌भव पर ऋषियों के प्रश्नों एवं उत्तरों का विवेचन कीजिए ।
3. भरत के नाट्यशास्त्र पर एक विवेचनात्मक निबन्ध लिखिए ।
4. 'मृच्छकटिकम्' नाम की सार्थकता पर विचार करते हुये कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।
5. 'मृच्छकटिकम्' की कथावस्तु का विवेचन कीजिए ।
6. 'मुद्रा राक्षस' के आधार पर राक्षस का चरित्र–चित्रण कीजिए ।
7. अभिज्ञान शाकुन्तलम के चतुर्थ अंक का सारांश संस्कृत में लिखिए ।
8. उत्तररामचरित्र के तृतीय अंक को कवि ने छाया अंक कहा है । उसके कारण की सयुक्तिक समीक्षा कीजिए ।
9. अपूर्वः प्रतिशोध के आधार पर द्रौपदी का चरित्र चित्रण कीजिए ।
10. नीड निर्माणम् की कथावस्तु की विवेचना कीजिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(व्याकरण)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

खण्ड "अ" एवं खण्ड "ब" से दो–दो प्रश्नों का चयन करते हुए कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

खण्ड–"अ"

1. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***चार*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :–
   (क) ऋन्नेभ्यो ङीप (ख) उगितश्च (ग) वातो गुणवचनात्
   (घ) नूनरयोः वृद्धिः (ङ) वयसि प्रथमे (च) यङश्चाप्

2. निम्नलिखित पदरूपों में किन्हीं चार पदों की सिद्धि सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए :–
   (क) अजा (ख) अवनानी (ग) नारी
   (घ) युवतिः (ङ) गौरी (च) साध्वी

3. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) तङानावात्मनेपदम् (ख) विपराभ्यां जेः (ग) आङ् उद्गमने
   (घ) वृत्तिसर्गतायनेषु क्रमः (ङ) न गतिहिंसाथेभ्यः (च) उपाच्च

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं चार सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :–
   (क) समानकर्तृकेषु तुमुन् (ख) ण्वुलतृचौ (ग) तव्यत्तव्यानीयरः
   (घ) पोरदुपधात् (ङ) नन्दिग्रहिपचादिभ्यः ल्युणिन्यचः (च) ऋहलोर्ण्यत्

5. निम्नलिखित पदरूपों की सिद्धि–सूत्र निर्देशपूर्वक लिखिए :–
   (क) वास्तव्यः (ख) देयम् (ग) अवद्यम्
   (घ) स्नानीयम् (ङ) शिष्यः (च) कृत्यम्

खण्ड–"ब"

6. पूर्वकालिक एवं निमित्तार्थक कृत्प्रत्ययों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

7. परस्मैपद प्रक्रिया से सम्बद्ध किन्हीं पाँच सूत्रों का निरूपण करें ।

8. आत्मनेपद से आप क्या समझते हैं ? आत्मनेपद प्रत्ययों का सोदाहरण परिचय दीजिए ।

9. वाच्य किसे कहते हैं ? वाच्य के प्रकारो का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

10. लकार से क्या समझते हैं ? संस्कृत क्रियारूपों के लकारों का वर्णन कीजिए ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XV

(संस्कृत शस्त्रों का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. दैवी सिद्धांत के आधार पर नाट्यशास्त्र के समीक्षा कीजिए ।
2. प्राक् वाराहमिहिर कालीन ज्योतिष के योगदान का वर्णन कीजिए ।
3. भास्करोत्तर ज्योतिष की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
4. आयुर्वेद का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
5. व्याकरणात्मक एवं प्रक्रियात्मक व्याकरणों का सार प्रस्तुत कीजिए ।
6. वैदिक एवं वेदांगीय व्याकरण का ऐतिहासिक परिचय दीजिए ।
7. कोश–विद्या के क्षेत्र में अमर सिंह के योगदान का उल्लेख कीजिए ।
8. अमरोत्तर कोशीय इतिहास का परिचय दीजिए ।
9. सूत्रकारों के साथ–साथ सूत्र–साहित्य का परिचय दीजिए ।
10. भारतीय धर्मशास्त्रों की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (संस्कृत)

पार्ट–II, पत्र–XVI (संस्कृत रचना)

वार्षिक परीक्षा, 2015

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, जिसमें प्रश्न सं0–1 अनिवार्य हैं । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. निम्नलिखित में से किसी एक पर संस्कृत में निबंध लिखिए :–
   (i) उपमा कालिदासस्य (ii) काव्य–लक्षणम् (iii) काव्येषु नाटकं रम्यं

2. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों का संशोधन कीजिए :–
   (i) नीलं मेघः आकाशे सञ्चरति (ii) चतुरः प्रश्नानाम् उत्तरं देहि
   (iii) अभिज्ञानशाकुन्तले सप्ता अंकानि सन्ति (iv) ते व्याघ्रात् बिभ्यन्ति
   (v) जीवेत् शरदः शतानि (vi) अयंम् मम प्रार्थनापत्रम् । तं नाम
   (vii) तं नाम किम्? (viii) कालिदासस्य त्रयं नाटकानि सन्ति
   (ix) हनुमानाय नमः (x) भवान् संस्कृतं पठसि लिखसि च
   (xi) अहिंसा परमं धर्मम् (xii) बालकेन पाठः पठितम्
   (xiii) वयं पुस्तकं ददायः (xiv) मह्यं फलं रूचति
   (xv) जेतारः शत्रून हनन्ति (xvi) पुत्रः पितुः समीपं गमति

3. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए एवं समुचित शीर्षक दीजिए :–
   राष्ट्रस्य समाजस्य च अभ्युदयाय स्त्रीशिक्षाया अतीव आवश्यकता विद्यते । यतोहि अस्मिन् राष्ट्रे समाजे वा नारीणामादरो भवति, नार्यः सुशिक्षिता भवन्ति स देशः उन्नतिं प्राप्नोति । अत्र नारीणां आदरस्य तात्पर्यं देवमन्दिरेषु प्रतिष्ठापितानां भगवन्मूर्तीनामिव पूजनं नैव । अत्र तात्पर्यं ताभ्यः अधिकारप्रदानेन, तासां शैक्षिक–सामाजिक–राजनैतिकाधिकारेण वर्तते । शिक्षताः नार्यः एव मानव समाजं सुसंस्कृतं कर्तुं क्षमाः । प्राचीनकाले नार्यः सामाजिकान् राजनैतिकान् धार्मिकांश्चाधिकारान् पुरूषतुल्यमिव लेभिरे । यथा याज्ञवल्क्यस्य सहधर्मणी मैत्रेयी आध्यात्मिकमेव धनं लौकिक–धनादार्धकमन्यत अपरञ्चपुरा नार्यः विद्वत्समाजे राजसभायाञ्चापि स्वलोकोत्तर प्रभावेण वाद–प्रतिवादेषु शास्त्रार्थेषु च निर्णायकत्वेन प्रधानपदमलञ्चक्रुः । परं तदनन्तरं क्रमशः स्त्रीणां समादरं ह्रासं गतः । शनैः शनैः नारीणाम् महती दुखस्था सञ्जाता । परिणामतः भारतं चिराय परतन्त्रता पाशे बद्धम् । वस्तुतः समाजस्योन्नतिः नारीणां समादरेण एव वर्तते ।

4. निम्नलिखित सूक्तियों में से किसी एक की संस्कृत व्याख्या कीजिए :–
   (i) जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी (ii) वसुधैव कुटुम्बकम् (iii) शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

5. निम्नलिखित सूत्रों में किन्हीं चार सूत्रों की व्याख्या करें :–
   (i) कर्तुरीप्सितमं कर्म (ii) स्पृहेरीप्सितः (iii) आख्यातोपयोगे
   (iv) सहयुक्तेऽप्रधाने (v) षष्ठीशेषे (vi) यस्य च भावेन भावलक्षणम्

6. कृदन्त किसे कहते हैं ? किन्हीं तीन कृत्य प्रत्ययों के तीन–तीन उदाहरण दीजिए ।

7. वाच्य–परिवर्त्तन कीजिए :–
   (i) मया पत्रं लिख्यते (ii) जना धनम् इच्छन्ति (iii) प्रधानमंत्री राष्ट्रं सम्बोधयति
   (iv) ईश्वरः सर्वान् पश्यति (v) गुरूणा सत्यं उद्यते (vi) विद्यार्थिनः निबन्धं लिखितवन्तः
   (vii) एकः चन्द्रः तमो हरति (viii) हरिः वैकुण्ठे वसति (ix) भृत्यः चित्रं नयति
   (x) रामेण वेदः पठितः (xi) अहं चन्द्रं पश्यामि (xii) छात्राः ग्रामं गच्छन्ति
   (xiii) पुष्पाणि विकसन्ति (xiv) सज्जनः पापात् बिभेत् (xv) कन्या गीतिं गायन्ति
   (xvi) राजा वाणेन सिंहं हन्ति

8. सन्धि–विच्छेद करते हुए नाम बताइए :–
   (i) अभीष्टः (ii) मनीषा (iii) सुखार्तः (iv) पवित्रम्
   (v) उच्चारणम् (vi) विष्णुः (vii) अजन्तः (viii) तिरस्कारः

9. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए :–
   (i) सन्धिः (ii) प्राचीनः (iii) सरलः (iv) सृष्टिः
   (v) स्तुतिः (vi) हर्षः (vii) क्षमा (viii) क्षणिकः

10. निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखें :–
    (i) अग्नि (ii) कृष्णः (iii) राजा (iv) जलम्
    (v) शिवः (vi) रजनी (vii) पुष्पम् (viii) दैत्यः

ꕥ ꕥ ꕥ